

विमान ने उत्तरखण्ड के 20 अलग-अलग मामले दर्ज किए थे। इनमें से 18 मामलों में पूरी तरह हल कर दिया गया है, जिसके पक्ष में दोषीयों ने 9 लाख 16 हजार 460 रुपये का अर्थदंड वसूला गया है। इस कारवाई से अवैध खनन में संलग्न माफियाओं के होतेले परत हुए हैं और कई संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध खोदाई पर लगाम लगी है।

इसके साथ ही, सड़कों पर बिना वैध कालगण के खनियों को दोबोले वाले चोरों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और प्राप्ती कारवाई इसने को मिली है। शिला सीमाओं और मुख्य मार्गों पर की गई नाकेबंदी के दौरान अवैध परिवहन के रिकॉर्ड 203 मामलों पकड़े गए। विमान ने त्वरित प्रशासनिक प्रक्रिया अपनाते हुए इन सभी 203 मामलों का शत-प्रतिशत निराकरण कर दिया। वहनों को जेल करार और कांजुनी पोलटी लगाते के बाद इस मद से सर्वाधिक 69 लाख 87 हजार 622 रुपये की अर्थदंड राशि वसूल की गई है।

अवैध रूप से खनियों के टैटिक और भंडारण करने वालों पर भी शिकंजा कसा गया। अवैध भंडारण के कुल 6 मामले प्रकाश में आए थे, जिनमें बिना देरी किए सभी 6 प्रकरणों का पूर्ण निराकरण कर दिया गया। इस श्रेणी में दोषीयों पर कार्रवाई ठोके हुए 2 लाख 84 हजार 140 रुपये का जुर्माना ठोका गया।

अजिज नोस्ट्रड ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आने वाले समय में भी जिले भर में औचक निरीक्षण और दृष्टि का यह मिलिशिलो जारी रहेगा, तबिकी अवैध कारोबार में लिप्त लोगों को पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

खबर संक्षेप



शिक्षक दिवस पर कोतमा में गुंजा गुरु वंदन, विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से बांधा समां

हरिभूमि ब्यूज, कोतमा। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर कोतमा नगर सहित कोयलांचल और गामीग क्षेत्रों के विद्यालयों एवं शिक्षकों को उपहार, श्रीफल, प्रतीक चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उक्तकृत विद्यालय कोतमा में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस मनाया गया। प्राचार्य आर.के. मिश्रा ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके शिक्षक से राष्ट्रपति बनने तक के सफर की जानकारी विद्यार्थियों को दी। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के शिक्षकों को श्रीफल, पेन और डायरी भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन केक काटकर हर्षोल्लास के साथ किया गया। गीन लैंड पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराजा मारुटि महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. गिरेन्द्र शर्मा एवं मुद्रिका मकबूल उपस्थित रहे। अतिथियों और विद्यालय प्रबंधन ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्य, नाटक, कविताएं और सम्मान गीत प्रस्तुत कर खुश तालियां बटोरीं।

श्री नर्मदा मंदिर एवं कल्याण सेवा आश्रम में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भक्ति, उल्लास और आकर्षक झांकियों से सजी पवित्र नगरी

राधे-कृष्ण के जयघोष से गुंजे धार्मिक स्थल

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। श्री नर्मदा मंदिर अमरकंटक सहित श्री कल्याण सेवा आश्रम में जन्माष्टमी को लेकर विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। मंदिरों और आश्रम परिसर की आकर्षक साज-सज्जा, पुष्पों से सुसज्जित झांकियों और भक्तिमय वातावरण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। श्री नर्मदा मंदिर अमरकंटक में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर विशेष सजावट की गई। मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और बाल स्वरूप को दर्शाती आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जन्माष्टमी की रात्रि जैसे-जैसे अंगे बढ़ी, वैसे-वैसे मंदिर परिसर में भक्ति का रंग और गहरा होता गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के पावन क्षणों में “नंद के आनंद भग्यो, जय कन्हैया लाल की” के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो



उठा। श्रद्धालुओं ने आरती एवं पूजा-अर्चना में सहभागिता कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था अर्पित की। **आस्था के साथ जीवंत हुई सनातन संस्कृति** अमरकंटक जैसे आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व वाले क्षेत्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का यह आयोजन केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, भक्ति और भारतीय लोक परंपराओं का जीवंत उत्सव बनकर सामने आया। मंदिर और आश्रम परिसर में दिखाई दिया, उत्साह इस बात का प्रमाण रहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा आज भी जनमानस में उतनी ही गहरी और जीवंत है। जन्माष्टमी के अवसर पर



अमरकंटक की धार्मिक धरा पर भक्ति और उल्लास का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को स्मरण करते हुए अपने जीवन में प्रेम, करुणा, धर्म और सद्भावना का संचार करने का संकल्प लिया। **कल्याण सेवा आश्रम में मजन-कीर्तन से गुंजा परिसर** वहीं श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक में भी जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। आश्रम परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों, पुष्पमालाओं और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण एवं राधाजी की भव्य झोंकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

अब बड़ी बिल्डिंग पर कार्रवाई का इंतजार

पकरिया चौराहे पर शेड टूटा



शहडोल। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के पकरिया-जैतपुर चौराहे पर एनएचएआई ने सड़क सीमा में निकले शेड को तोड़कर कार्रवाई की है, लेकिन चौराहे की सबसे बड़ी समस्या अब भी जस की तस बनी हुई है। जिस दो मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग को एनएचएआई अपनी रिपोर्ट और पत्राचार में हाईवे की 45 मीटर राइट ऑफ वे सीमा के भीतर बता चुका है और जिसे दृश्यता बाधित होने का कारण माना गया है, उस पर अब तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि शेड के बाद अब इस बड़ी बिल्डिंग पर गाज कब गिरेगी? मामला राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के पकरिया-जैतपुर चौराहे का है। यहां सड़क की सीमा में किए गए निर्माण को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। एनएचएआई के अनुसार चैनैज क्रमांक 159-400 पर सुंदर साहू और शुभम साहू द्वारा किया गया दो मंजिला निर्माण हाईवे की 45 मीटर राइट ऑफ वे सीमा के भीतर है। विभाग ने यह भी माना है कि निर्माण के



कारण चौराहे पर दृश्यता प्रभावित हो रही है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। **शेड टूटा, लेकिन मुख्य बाधा कायम** एनएचएआई की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क की सीमा से बाहर निकले शेड को तोड़ दिया। कार्रवाई के बाद सड़क किनारे का अतिक्रमण जरूर हटा, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि असली खतरा अभी भी वहीं मौजूद है। चौराहे के मोड़ पर बनी बड़ी बिल्डिंग के कारण सामने से आने वाले वाहन समय पर दिखाई नहीं देते। ऐसे में केवल शेड हटाने से चौराहे की सुरक्षा समस्या का स्थायी समाधान होता नजर नहीं आ रहा। कुछ समय पहले इसी चौराहे पर बस और स्कॉर्पियो की जोरदार भिड़ंत के बाद सड़क सुरक्षा और निर्माण को लेकर सवाल और गंभीर हो गए थे। लोगों का कहना है कि जब किसी स्थान को पहले से दुर्घटना की दृष्टि से



संवेदनशील माना जा चुका है, तो कार्रवाई किसी बड़े हादसे का इंतजार किए बिना होनी चाहिए।

तहसीलदार भी कर चुके हैं निरीक्षण

मामले में स्थानीय प्रशासन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। तहसीलदार द्वारा बीते दिनों मौके का निरीक्षण किया जा चुका है। एनएचएआई भी निर्माण को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कर चुका है। इसके बावजूद दो मंजिला बिल्डिंग अब तक मौके पर खड़ी है। अब सवाल यह है कि जब एनएचएआई ने निर्माण को अपनी सीमा के भीतर बताया है और उससे दृश्यता प्रभावित होने की बात सामने आ चुकी है, तो फिर कार्रवाई किस स्तर पर अटकी हुई है? क्या केवल नोटिस जारी करना ही पर्याप्त माना जाएगा या निर्माण को लेकर नियमानुसार अगली कार्रवाई भी होगी?

भाजपा नेता कुलदीप गुप्ता ने 200 परिवारों की मदद कर मनाया प्रदेशाध्यक्ष का जन्मदिन

न बैनर, न पोस्टर, न फिजूलखर्ची

मानपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का जन्मदिन इस बार एक अनोखे अंदाज में मनाया गया। भाजपा जिला उमरिया के नेता कुलदीप गुप्ता ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार सादगी और सेवा को ही उत्सव का आधार बनाया गया। न बैनर, न पोस्टर, न कोई फिजूलखर्च। मानपुर क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए, गरीब, किसान एवं मजदूर वर्ग के 200 जरूरतमंद परिवारों को छाता वितरण कर जन्मदिन मनाया गया। गुप्ता ने कहा प्रदेशाध्यक्ष का संदेश



स्पष्ट है कि भाजपा का कार्यकर्ता उत्सव में नहीं, सेवा में विश्वास रखता है। जब एक तरफ हमारे नेता का जन्मदिन और दूसरी तरफ मानपुर में बारिश से जुड़ रहे परिवार, तो हमने

सेवा को ही सबसे बड़ा उपहार चुना। इस अवसर पर पार्षद शिवराम शुक्ला, भाजपा नेता नारायण सिंह, स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में गुरुजनों का सम्मान



अमरकंटक। भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के पावन अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक में शिक्षक दिवस श्रद्धा, सम्मान और उल्लास के साथ मनाया गया। नगर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में गुरुजनों के सम्मान में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर शिक्षकों के प्रति विद्यार्थियों ने अपनी कृतज्ञता एवं सम्मान भाव प्रकट करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को जीवंत किया। अमरकंटक के कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा कल्याणिका महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन हुए। शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच आत्मीयता और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। **कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन में हुआ विशेष आयोजन-** शिक्षक दिवस के अवसर पर कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वामी हिमाद्री मुनि एवं स्वामी जगदीशानन्द की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों संतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों को स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज द्वारा उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुजनों के सम्मान का यह क्षण विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी रहा। शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए विद्यार्थियों ने उनके मार्गदर्शन, स्नेह और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि



विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार एवं उनके उच्चतर भविष्य के निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों द्वारा किए जा रहे योगदान तथा विद्यार्थियों को निरंतर उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सभी शिक्षकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों की सफलता के पीछे शिक्षकों का परिश्रम, अनुशासन और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण आधार होता है। जवाहर नवोदय विद्यालय सहित अन्य संस्थानों में भी आयोजन - इसी क्रम में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में भी शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए और गुरुजनों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर परिश्रम, अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक तथा सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक में भी शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने शिक्षकों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से गुरु के महत्व तथा भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा की महता पर प्रकाश डाला गया। वहीं कल्याणिका महाविद्यालय अमरकंटक में भी शिक्षक दिवस गरिमामूर्ण वातावरण में मनाया

गया। महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने अपने प्राध्यापकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा के माध्यम और तकनीक भले ही निरंतर बदल रहे हों, लेकिन विद्यार्थी के जीवन में गुरु का महत्व सदैव अक्षुण्ण रहेगा। **गुरु ही जीवन को देते हैं सही दिशा-** शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में यह भाव प्रमुखता से उमरकर सामने आया कि शिक्षक केवल कक्षा में पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थी के जीवन का मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और व्यक्तित्व निर्माता होता है। शिक्षक अपने ज्ञान एवं संस्कारों से विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने का कार्य करते हैं। अमरकंटक जैसे आध्यात्मिक एवं धार्मिक नगर में शिक्षक दिवस के अवसर पर हुए इन आयोजनों ने ज्ञान, संस्कार और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को और अधिक सार्थक बना दिया। विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयों में दिनभर उत्सव जैसा वातावरण रहा और विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त कर इस दिन को यादगार बनाया। शिक्षक दिवस का यह आयोजन इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि गुरु वह दीप हैं, जो स्वयं जलकर शिष्यों के जीवन में ज्ञान, संस्कार और सफलता का प्रकाश फैलाता है। गुरुजनों के मार्गदर्शन में शिक्षित नई पीढ़ी ही समाज और राष्ट्र को सशक्त, संस्कारित एवं उच्चतर भविष्य की ओर ले जाने में सक्षम होगी।

12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत सचिवल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर प्री-लिटिगेशन स्तर पर ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सचिवल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छ: माही चकवर्द्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिशत की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। उन्होंने बताया कि 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में उपरोक्तानुसार दी जा रही छूट सचिवल दायित्व 10 लाख रुपये तक के प्रकरणों के लिये सीमित रहेगी। यह छूट सम्झौता करने के लिये ही लागू रहेगी।

कोतमा। जिले में बाल विवाह के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहे हाई संस्था ने संयुक्त राष्ट्र के 27 नवंबर को ‘बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह की समाप्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस’ घोषित करने के ऐतिहासिक कदम का स्वागत किया है। उन्होंने मीडिया को इस अभियान में सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित भी किया। पत्रकारों की हाई संस्था से शुशील कुमार शर्मा एवं भूपेंद्र त्रिपाठी ने संबोधित किया। उक्त आशय की जानकारी हाई संस्था के डायरेक्टर शुशील कुमार शर्मा ने पत्रकारवार्ता आयोजित दिया। उन्होंने ने कहा कि यह सरकार व प्रशासन के सहयोग से देश में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रहे नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के अथक और असाधारण प्रयासों को वैश्विक मान्यता है। हाई संस्था जेआरसी का एक सहयोगी संगठन है। जेआरसी लंबे समय से इस दिवस की मांग कर रहा था। पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि भारत से उठी आवाज आज पूरी दुनिया का संकल्प बन गई है। उन्हें खुशी है कि आज उनके प्रयासों को वैश्विक मान्यता मिली है। साथ ही यह पूरे भारत के लिए भी गर्व का विषय है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ने बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक दिवस के लिए 27 नवंबर को तारीख



चुनी। 2024 में इसी दिन भारत सरकार ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जैसे नागरिक समाज संगठनों को साथ लेकर ‘बाल विवाह मुक्त भारत’ अभियान की शुरुआत की थी। लेकिन यह जश्न मनाकर रुक जाने का क्षण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा ने हमें गौरव दिया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि दुनिया के हर बच्चे को बाल विवाह मुक्त बचपन भी मिले। हमारे सामने इस संकल्प को जमीन पर उतारने की चुनौती भी है। जब तक जिले के किसी गांव का एक भी बच्चा बाल विवाह के डर में जी रहा है, तब तक

हमारी लड़ाई अधूरी है। उन्होंने आगे कहा, “हम जानते हैं कि सिर्फ कानून से ही बाल विवाह की पूरी तरह रोकथाम संभव नहीं होगी। इसलिए हमने बड़े पैमाने पर स्कूलों, पंचायतों, गांवों में जागरूकता अभियान चलाया है। लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। साथ ही बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है और पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों का दोबारा स्कूलों में दाखिला कराया है। इसके अलावा बाल विवाह के खिलाफ मुहिम में धर्मगुरुओं व

शिक्षकों को जोड़कर हमने इसे सही मायने में जन अभियान बनाया है जिसकी गूंज संयुक्त राष्ट्र तक सुनाई दे रही है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋषु ने बाल विवाह के खात्मे के लिए एक अलग अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की पहल की थी। मार्च 2026 में संयुक्त राष्ट्र में भुवन ऋषु ने अपने संबोधन के दौरान कई वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में एक बार फिर बाल विवाह के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने के लिए प्रस्ताव लाने की बात कही। तब अफ्रीकी देश सिएरा लियोन की फर्स्ट लेडी डॉ. फातिमा मादा बायो भी मौजूद थीं, जिन्होंने इस पहल का समर्थन किया। इसके बाद सिएरा लियोन ने भारत सहित करीब 50 देशों के समर्थन वाला प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किया। जिसमें 27 नवंबर को बाल विवाह समाप्त करने के लिए समर्पित वैश्विक दिवस घोषित करने की मांग थी। 4 सितंबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित कर दिया। भारत में जेआरसी अपने सहयोगी संगठनों के साथ देश के सभी 782 जिलों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रहा है। जेआरसी ने अपने सहयोगी संगठनों के साथ सरकारों और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से समुदायों, स्कूलों, पंचायतों, आदिवासी और वंचित समुदायों, महिलाओं, पुलिसकर्मीयों, धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों को बाल विवाह रोकने के लिए एकजुट किया है।





गोत्राचार्य महर्षि कश्यप जयंती समारोह में बाईक व फोर व्हीलर्स से नगर भ्रमण

ब्योहारी। ब्योहारी केकेसरवानी नगर सभा कि तीनों इकाई के तत्वावधान में छै सितम्बर 2026 दिन रविवार को हर वर्ष कि भाति इस वर्ष भी गोत्राचार्य महर्षि कश्यप जयंती समारोह वाहन से बाइक व फोर व्हीलर्स शोभा यात्रा रेली रीवा रोड होटल अमर विलास साईं मंदिर के पास बाइक व फोर व्हीलर से प्रारम्भ होकर टंकी तिराहा, बनसुकली चौराहा, देवी मंदिर, न्यू बरोधा तिराहा शहडोल रोड, वापसी गोदावत तिराहा मर्तन गंज, लक्ष्मीनारायण मंदिर,राधा कृष्ण मंदिर नगर भ्रमण करते हुए केसरवानी धर्मशाला में गोत्राचार्य महर्षि कश्यप जयंती समारोह का शोभा यात्रा में सम्पन्न होगा उसके बाद बाहर से आये अतिथि व नगर एवं क्षेत्र से आये समस्त स्वजातीय बंधुओं माताओं बहनों का भोजन एवं प्रादेशिक मंच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे जो क्रमशः रहेगा 1- प्रातः 7 बजे पूजा हवन आरती केसरवानी धर्मशाला में 2- प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा केसरवानी धर्मशाला में 3 - 8.30 बजे सुबह स्वल्पाहार होटल अमर विलास साईं मंदिर के पास रीवा 4 - सुबह 9 बजे प्रादेशिक तोगों विंग ब्योहारी शहडोल अनूपपुर जिला महिला सभा का शपथ ग्रहण समारोह होटल अमर विलास में 5- सुबह 10.30 बजे से शोभा यात्रा रेली निकाली जाएगी होटल अमर विलास 6- दोपहर 1 बजे भोजन प्रसाद केसरवानी धर्मशाला में 7- दोपहर 2 बजे मंचीय कार्यक्रम 8- शाम 5 बजे चाय पश्चात कार्यक्रम सम्पन्न होगा

केंद्रीय विद्यालय एस ई सी एल नौरोजाबाद में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन।



केंद्रीय विद्यालय एस ई सी एल नौरोजाबाद में शनिवार को भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम प्रार्थना सभा में डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर प्राचार्य संतोष कुमार द्विवेदी ने माल्यार्पण किया। इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने अपने संबोधन में गुरु के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति से भी हमें शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन का जन्म 5 सितंबर , 1888 को एक प्रतिष्ठित तेलुगु परिवार में तिरुत्तनी नामक स्थान में हुआ। वे भारत के महान दार्शनिक, विचारक, लेखक, वक्ता राजनयिक थे।

संविलियन कर्मचारियों के मामले में हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

अमलाई। नगर परिषद बकहो में गाम पंचायत से नगर परिषद में संविलियन किए गए 53 कर्मचारियों के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट, जबलपुर की डिवीजन बेंच ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। 3 सितंबर 2026 को हाई कोर्ट ने संबंद्धित रिट अपील को मंजूर करते हुए 23 जनवरी 2024 को एकलपीठ द्वारा पारित आदेश को निरस्त कर दिया। मामला वर्ष 2022 में किए गए कर्मचारियों के संविलियन की प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से व्यापार्य में विचारार्थीन था। मामले के अनुसार बकहो गाम पंचायत के नगर परिषद में परिचालित होने के बाद पंचायत के कर्मचारियों को नगर परिषद में संविलियन करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। लेकिन पंचायत काल से 14 कर्मचारी ही कार्यरत रहे। इसी दौरान 53 कर्मचारियों का संविलियन किया गया। इस संविलियन प्रक्रिया को लेकर बाद में नियमों के पालन और वैधानिकता पर सवाल उठे।

पाली के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पाली में धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, छात्र/छात्रायें बने कृष्ण-राधा



आसिफ खान, बबन सरकार, उमेश जायसवाल, निशा यादव, खुशबू पटेल, पीहटी फैजान अहमद, भास्कर घोष, प्रदीप कुमार, राजकुमार, पंकज गुप्ता, पूनम, पूजा शर्मा सहित विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी पुजारी को हाईकोर्ट से झटका, FIR रद्द करने की याचिका खारिज

शहडोल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने शहडोल के दुर्गा मंदिर के एक पुजारी के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने से इनकार कर दिया है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाने और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। माननीय न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकल पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि शादी का वादा झूठा था या नहीं, यह मुकदमे (ट्रायल) के दौरान सबूतों के आधार पर तय होगा, जिसे शुरूआती स्तर पर रद्द नहीं किया जा सकता।

क्या है पूरा मामला?

शहडोल जिले के महिला थाने में 18 फरवरी 2026 को अपराध

क्रमांक 04/2026 दर्ज किया गया था। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, वर्ष 2017 में उसकी मुलाकात दुर्गा मंदिर के पुजारी आशीष राज तिवारी से हुई थी। आरोपी ने पीड़िता और उसके परिवार को शादी का आश्वासन दिया और रीवा तथा शहडोल में किराए का मकान लेकर कई वर्षों तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी समाज में प्रतिष्ठा और जातिगत कारणों का हवाला देकर टालमटोल करने लगा और अंततः इनकार करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

अदालत में याचिकाकर्ता का तर्क

आशीष राज तिवारी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSs) की धारा 528 के तहत हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एफआईआर, चार्जशीट और आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने

की मांग की थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि:दोनों के बीच लंबे समय से सहमति से संबंध समाप्त होने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से सोशल मीडिया चैट्स, फोटो, ऑडियो रिकॉर्डिंग और मॉडकल रिपोर्ट (MLC) का हवाला देकर कार्रवाई को दुर्भावनपूर्ण बताया गया।

हाईकोर्ट का रुख और फैसला

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने अपने आदेश में मुख्य बिंदु रेखांकित किए:सहमति की जांच बिना ट्रायल संभव नहीं: कोर्ट ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 69 छल-कपट या शादी के झूठे वादे द्वारा बनाए गए यौन संबंधों से संबंधित है। आरोपी की मंशा शादी की थी या नहीं, इसकी जांच केवल मुकदमे के दौरान सबूतों के आधार पर हो

सकती है।इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का मूल्यांकन: आरोपी द्वारा प्रस्तुत किए गए चैट्स, फोटो और ऑडियो रिकॉर्डिंग की सत्यता का फैसला ट्रायल कोर्ट में होगा। धारा 528 के तहत हाईकोर्ट रमिनी-ट्रायलर नहीं चला सकता।SC/ST एक्ट के तहत आरोप गंभीर: पीड़िता के आरोपों में जातिगत टिप्पणी और समाज में प्रतिष्ठा का हवाला देकर शादी से मुकदमे का जिक्र है, जो SC/ST एक्ट के तहत विचारणीय है। लंबे समय तक संबंध का मतलब राहत नहीं: केवल संबंध लंबे समय तक रहने के आधार पर एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती। अदालत ने कहा कि आरोपी के पास निचली अदालत में अपने पक्ष और साक्ष्यों को प्रस्तुत करने का पूरा अवसर रहेगा, इसलिए बीएनएसएस की धारा 528 के तहत अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करने का कोई ठोस आधार नहीं बनता।

शिक्षक दिवस पर अमलाई शिव मंदिर परिसर में वृक्षारोपण, वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान



बुद्धार। अमलाई कैप स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिव मंदिर समिति एवं समाजसेवियों के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ ही क्षेत्र के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया गया।मंडल मीडिया प्रमारी अखिलेश सिंह ने बताया कि वार्ड क्रमांक 7 स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षक के के. त्रिपाठी एवं शिव मंदिर के पुजारी मनोज मिश्रा के सम्मान से हुआ। नगर परिषद बरगवा-अमलाई की अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता, नवनियुक्त एल्डरमैन संदीप पुरी, भाजपा बूथ अध्यक्ष व अधिवक्ता अरविंद साहनी तथा मीडिया प्रमारी अखिलेश सिंह ने दोनों वरिष्ठजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इसके पश्चात उपस्थित महिलाओं, बुजुर्गों व समाजसेवियों ने फलदार एवं फूलदार पौधे रोपकर परिसर को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता को एक हार्दिक सौपा। समिति ने बताया कि वर्ष 1987 से मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते आ रहे हैं, इसलिए परिसर में गिरे हुए रंगमंच के पुनर्निर्माण, बाउंड्रीवॉल व अन्य विकास कार्यों को अत्यंत आवश्यकता है।हार्दिक सौपा कर अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर के विकास के साथ ही अक्षूरी सड़क, नाली निर्माण और विद्युत खंभे लगाकर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने का जल्द से जल्द आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

आयोजन में नगर परिषद अध्यक्ष पति सुरेन्द्र गुप्ता, पूर्व पंच सुनीता साहनी, पूर्व पंच लाली देवी, रुखसाना बेगम, सरिता राजभर, ध्रुव कुमार, रमन, बुजेश राजभर, मनीष चौहान, पेप्सी, जनी, आकाश कुमार, जय किशन यादव, रवि दुबे, सल्लू मनोज पांडे (बारोगा), अजय यादव, अमित शत्रु साल, अमित द्विवेदी, बबलू, बद्रीग पंडित, राजकुमार गुप्ता (लाला सेठ) सहित बड़ी संख्या में महिला मंडली, भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एल्डरमैन संदीप पुरी,अरविंद साहनी, अखिलेश सिंह और के. के. त्रिपाठी की प्रमुख भूमिका रही।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर गूंजे जयकारे, मटकी फोड़ और भजन संध्या ने बांधा सगा

अमलाई। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व अमलाई सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच मनाया गया। विभिन्न मंदिरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, कथा, मटकी फोड़ प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। श्रीकृष्ण जन्म की बेला पर मंदिर परिसर 'जय श्रीकृष्ण' और 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंज उठे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रमों में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया।अमलाई बस स्टैंड स्थित शंकर मंदिर में जन्मोत्सव और मटकी फोड़ प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर शंकर मंदिर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष एवं मनोनीत पार्षद सुभाष मिश्रा, भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रमारी नीरज गुप्ता सहित समाजसेवी राजेश मिश्रा उपस्थित रहे। अतिथियों ने श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में

शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, आयोजन समिति के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।शंकर मंदिर अमलाई में भागवत कथा ने बांधा श्रद्धालुओं को, पंडित राजेंद्र द्विवेदी महाराज ने श्रीमद्भक्तवत्सल पुराण में वर्णित भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। भगवान के जन्म की बेला पर श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को बाइई दी और भक्ति में झुमते हुए नृत्य किया। 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की', 'श्रीकृष्ण गोविंद हरे गुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेव' और 'भग प्रगट कृपाला, दीनदयाल'

के जयघोष से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। पंडित राजेंद्र द्विवेदी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और अहंकार पर सदाचार की विजय का संदेश देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। जन्मोत्सव के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया।बरगवा-अमलाई के दुर्गा मंदिर चौक में चीनी मित्र मंडली द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मटकी फोड़ प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अमृत रेलवे स्टेशन ब्योहारी में कमी नहीं चलता एक्सीलेटर सिर्फ शो पीस बना है, कहने को तो जबलपुर से वरगवां के बीच सबसे बड़ा अमृत रेलवे स्टेशन लेकिन बहुत ज्यादा पैसा लगा है, प्लेटफार्म दो में बाथरूम व शौचालय न होना और टिकट खिड़की आदि परन्तु ज्यादा अधूरा स्टेशन का 17 जुलाई 2026 को हुआ उदघाटन

ब्योहारी। ब्योहारी में अमृत रेलवे स्टेशन में लगे एक्सीलेटर लिफ्ट कभी न चालू रहना सिर्फ शो पीस के रूप खड़ा है इस का लाभ दिव्यांग, सिनियर लोग एक्सीलेटर लिफ्ट का लाभ नहीं मिलता है कहते हैं कि जब स्टेशन में ट्रेन आने लगें तो यात्री दौड़ कर स्टेशन मारटर से आरजू भिन्नत करने पर जबाब होता है हमारे पास एक्सीलेटर कि चाबी नहीं है अगर आपके पास कोई भी बाइक कि चाबी लगा कर चालू कर सकते हैं। लेकिन पता सुविधा के चक्कर में ट्रेन छूट जाती है सिंगरौली कि तरफ से आने वाली ट्रेन प्लेटफार्म नंबर दो पहुंचने के समय ही अकसर एक्सीलेटर बंद पाया जाता है और तो और भारत सरकार के द्वारा सिंगरौली ब्योहारी से जबलपुर जोन में सबसे बड़ा अमृत रेलवे स्टेशन ब्योहारी कहें जाने वाला कई करोड़ से बना अमृत रेलवे स्टेशन ब्योहारी में आधा अधूरा स्टेशन बना का 17 जुलाई 2026 को



उध्घाटन हुआ जब कि अभी प्लेटफार्म दो शहडोल रोड़ आने वाले यात्री के स्टेशन पर



ब्योहारी। ब्योहारी में यादव समाज के द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी उपलक्ष्य सीधी जिला व शहडोल

यादव समाज परिवार लोगों के द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी उपलक्ष्य में वाहन व फोर व्हीलर एवं अन्य वाहनों से भगवान कृष्ण जी तहसील कार्यालय से भ्रमण करते लगभग 5000 संख्या में रेलवे तिराहा में शोभा यात्रा सम्पन्न हुआ

शिक्षक दिवस पर सजा सम्मान का मंच, युवा टीम उमरिया ने शिक्षकों को शॉल व श्रीफल से किया सम्मानित

उमरिया/पाली। शिक्षक दिवस के अवसर पर आज बिरासिनी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, पाली परिसर में युवा टीम उमरिया (मध्यप्रदेश) के तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति 'भारत रत्न' डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करने के साथ हुआ।इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य हरलाल अहिंरवार, डॉ. गंगाधर दोके, डॉ. जे.पी.एस. चौहान, डॉ. त्रिभुवन गिरि, बिरासिनी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के संस्थापक पवन साम्बर, प्राचार्य राम शरण द्विवेदी, रामनरेश कुशवाहा, राकेश तिवारी, फूल सिंह, अर्चना सिंह एवं ज्योति सिंह सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।युवा टीम उमरिया के सदस्यों द्वारा सभी शिक्षकों का तिलक-चंदन कर सम्मान किया गया तथा उपहार स्वरूप पेन एवं डायरी भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम के संबोधित करते हुए डॉ. गंगाधर दोके एवं डॉ. जे.पी.एस. चौहान ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की मजबूत नींव होते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल विषय का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार



और भविष्य को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित करने के लिए युवा टीम उमरिया की पहल की सराहना की। वहीं बिरासिनी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के संस्थापक पवन साम्बर एवं पाली महाविद्यालय के प्राचार्य हरलाल अहिंरवार ने कहा कि शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, संस्कार और शिक्षा का सम्मान है। विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षक का मार्गदर्शन सदैव महत्वपूर्ण रहता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान युवा टीम उमरिया के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने सभी शिक्षकगणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक हमारे समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं।

सेंट्रल एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल, ब्योहारी में हर्षोल्लास से मना शिक्षक दिवस



ब्योहारी, शहडोल। सेंट्रल एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल, ब्योहारी में शिक्षक दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक एवं शिक्षाविद भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पजलि अर्पित कर किया गया। विद्यालय के संवाकल श्री रवि मिश्रा, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण ने डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर श्रद्धाभुसुम अर्पित कर उन्हें नमन किया। चारों हाउसों ने बिखेरा प्रतिभा का

रंग समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यालय के चारों हाउसों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रही। शौर्य हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। ओजस्वी भाषण एवं समूह गान प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शक्ति हाउस की छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में भावपूर्ण कविता पाठ तथा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। उत्कर्ष हाउस के बच्चों ने शिक्षा के महत्व पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु नाटिका का मंचन किया, जिसमें विद्यार्थी के जीवन में शिक्षक के योगदान को बखूबी



दर्शाया गया। पराक्रम हाउस के विद्यार्थियों ने हास्य-कव्य एवं मनोरंजक खेलों के माध्यम से गुरु-शिष्य के आत्मीय संबंध को मंच पर जीवंत किया। अपने संबोधन में विद्यार्थियों ने कहा कि शिक्षक ही जीवन को सही दिशा देकर उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। संवाकल का प्रेरणादायी उद्बोधन विद्यालय के संवाकल श्री रवि मिश्रा ने समस्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा - शिक्षक केवल पुरातोर ज्ञान नहीं देता, बल्कि वह विद्यार्थी में संस्कार, अनुशासन,

आत्मविश्वास और जिम्मेदारी जैसे जीवन मूल्यों का निर्माण करता है। सेंट्रल एकेडमी के शिक्षक इस पवित्र दायित्व को पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं, जिस पर हमें गर्व है।र उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुओं का आजीवन सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। समारोह के दौरान विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। पूरे परिसर में सम्मान, कृतज्ञता और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन हुआ।



वेंकटनगर स्टेशन बना श्रेय की राजनीति का अखाड़ा

नर्मदा एक्सप्रेस के टहराव पर सियासी संग्राम



डीवीएम पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

अनूपपुर। डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. वाचस्पति कुलवंत ने भारत के महान शिक्षक, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं चंदन-चंदन कर किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में भाषण, कविता, संस्कृत कार्यक्रम सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित कर उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य का चयन करें और मेहनत व अनुशासन के साथ आगे बढ़ते हुए देश के महान नागरिक बनें। विद्यालय की प्रचार्य श्रीमती सुशीला कुलवंत ने कहा कि शिक्षक केवल पुस्तकीय ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों को जीवन जीने की सही कला, अच्छे संस्कार और जिम्मेदार नागरिक बनने की सीख देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस को लेकर उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक और भावपूर्ण बना दिया।

गुरुजनों के सम्मान से सजा शिक्षक दिवस, सकरा में शिक्षकों का हुआ आत्मीय अभिनंदन



अनूपपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सकरा, जनपद पंचायत जैतहरी में गुरुजनों के सम्मान का गरिमामय एवं भावपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार ने शिक्षक दिवस को यादगार बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रचार्य सोनी सर ने की। मुख्य अतिथि जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राम खेतानन राठौर, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अनूपपुर एवं जीवेन्द्र सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद अनूपपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सकरा के सरपंच, विद्यालय परिवार, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राई मौजूद रहे। समारोह के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंटकर आत्मीय सम्मान किया गया। अतिथियों ने कहा कि शिक्षक समाज की वह आधारशिला हैं, जो विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन की सही दिशा भी प्रदान करते हैं। राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अद्वितीय महत्वपूर्ण और सर्वोपरि रही है। शिक्षक दिवस की विशेष और यादगार बनाने के लिए विद्यालय परिवार एवं अतिथियों ने एक सराहनीय पहल करते हुए सेवाविभूत शिक्षकों के घर पहुंचकर उनका सम्मान किया।

छुलहा स्टेशन पर ट्रेनों के टहराव को लेकर कांग्रेस का मोर्चा, वर्षों पुरानी समस्याओं को लेकर रेल प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

अनूपपुर। छुलहा रेलवे स्टेशन पर कोरोना काल में बंद किए गए यात्री ट्रेनों के टहराव की बहाली और स्टेशन से जुड़ी वर्षों पुरानी जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर कांग्रेस ने रेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जैतहरी के नेतृत्व में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह और ब्लॉक अध्यक्ष रजन कुमार राठौर ने शनिवार दोपहर करीब 1 बजे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के महाप्रबंधक के नाम स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीणों और यात्रियों के सहयोग से चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा। कांग्रेस ने स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। ज्ञापन में कोरोना काल से पहले छुलहा स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों का ठहराव पुनः शुरू करने की



मांग की गई है। इनमें इंदौर-बिलासपुर एक्सप्रेस (18234/18233), भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस (18235/18236), रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस (18247/18248), बिलासपुर-चिराईरी एक्सप्रेस (18257/18258) और दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस (18241/18242) सहित अन्य यात्री ट्रेनों को शामिल किया गया है।कांग्रेस ने स्टेशन के फुट ओवरब्रिज को प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 की ओर सड़क और बस स्टैंड की तरफ तथा प्लेटफॉर्म क्रमांक-4 की ओर सड़क के विस्तारित करने की मांग की है। नेताओं का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण कई बार यात्री खड़ी मालगाड़ी के नीचे से निकलकर दूसरी ओर जाने को मजबूर होते हैं,

जिससे गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है। बंद किए गए लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर करीब एक किलोमीटर दूर बनाए गए अंडरब्रिज से ग्राम पंचायत छुलहा रोड और ग्राम पंचायत सेंदुरी रोड तक गुणवत्तापूर्ण पक्की सड़क निर्माण की मांग की गई है। साथ ही हरी-बरी, वीक-60 और बाईपास अंडरब्रिज में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव का स्थायी समाधान करने की मांग रखी गई। कांग्रेस ने नाली, उचित जल निकासी, ड्रेनेज और पंपिंग व्यवस्था के साथ रेलवे लिंक रोड का डायरीकरण कराने की मांग भी की है।ज्ञापन में रेल प्रशासन से मांग की गई है कि 15 दिन के भीतर छुलहा स्टेशन का स्थल निरीक्षण कराया जाए। ट्रेनों के ठहराव को लेकर भी 15 दिन में प्रक्रिया शुरू कर इसकी

लिखित जानकारी देने की मांग की गई है। वहीं फुट ओवरब्रिज, सड़क, नाली और जल निकासी से संबंधित कार्यों के लिए 30 दिन में तकनीकी सर्वे और कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई की लिखित रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक कार्रवाई और लिखित जवाब नहीं मिलने पर पहले धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद वरिष्ठ रेल अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। कांग्रेस ने कहा कि आंदोलन की जिम्मेदारी रेल प्रशासन की होगी, क्योंकि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर लंबे समय से मांगें उठाई जा रही हैं।ज्ञापन को जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह माको, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह, जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी आशीष त्रिपाठी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का समर्थन मिला। इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रजन कुमार राठौर, गुलाब पटेल, संजय सोनी, अनिल चौधरी, राघवेंद्र पटेल, विवेक यादव, राजू राम पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सरपंच, जनपद सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे। ज्ञापन पर ग्राम पंचायत सेंदुरी, छुलहा और अमगांवा के सरपंचों सहित जनपद सदस्यों के हस्ताक्षर और मुहर भी दं। सेंदुरी, छुलहा, बरी, अमगांवा, पिपरिया और आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने भी ट्रेनों के ठहराव और मूलभूत सुविधाओं की मांग का समर्थन किया।



मौके की माप और माप पुस्तिका के आंकड़ों में अंतर का मामला सरपंच का आरोप-राशि देने से इनकार के बाद शुरू हुई कार्रवाई

बदरा/जमुना। ग्राम पंचायत जमुनीहा-1 में जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि से कराए गए करौंधिया नाला और गजहा नाला स्टॉपडैम निर्माण अब सवालों के घेरे में हैं। जिला पंचायत की ओर से जारी कारण बताओ सूचना-पत्र में जल संसाधन विभाग की जांच रिपोर्ट के आधार पर दोनों निर्माण कार्यों के मूल्यांकन और मौके पर मिली वास्तविक स्थिति में अंतर सामने आने की बात कही गई है। इस अंतर के आधार पर करीब 9.10 लाख रुपये की राशि पर आपत्ति और रिकवरी कार्रवाई की स्थिति बनी है। मामले में नया मोड़ तब आया जब ग्राम पंचायत जमुनीहा-1 के सरपंच ने पूरी कार्रवाई की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े कर दिए। सरपंच ने शहडोल संभागायुक्त को आवेदन देकर कहा है कि बिना स्वतंत्र मौका जांच के केवल अभिलेख और माप पुस्तिका के आधार पर वित्तीय दायित्व तय करना उचित नहीं है। उन्होंने वरिष्ठ एवं स्वतंत्र तकनीकी अधिकारियों की समिति गठित कर दोनों स्टॉपडैम की मौके पर दोबारा माप कराने की मांग की है।

14 लाख का मूल्यांकन, मौके पर 8.66 लाख

जांच रिपोर्ट में करौंधिया नाला स्टॉपडैम को लेकर बताया गया है कि मौके पर वास्तविक जांच के बाद कार्य का मूल्यांकन 8,66,981 रुपये पाया गया, जबकि सीसी के अनुसार करीब 14 लाख रुपये का मूल्यांकन है। इस अंतर के चलते 5,33,013 रुपये के शासकीय व्यय पर आपत्ति दर्ज की गई है। गजहा नाला स्टॉपडैम में भी इसी तरह का अंतर सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार मौके पर मूल्यांकन 8,21,191 रुपये पाया गया, जबकि सीसी के अनुसार करीब 11.99 लाख रुपये का मूल्यांकन दर्ज है। यहां 3,77,809 रुपये की राशि पर आपत्ति जताई गई है। इस तरह दोनों कार्यों में कुल करीब 9.10 लाख रुपये की राशि रिकवरी के दायरे में बताई गई है।

माप पुस्तिका किसने भरी, सत्यापन किसने किया?

सरपंच ने सबसे बड़ा सवाल तकनीकी प्रक्रिया को लेकर उठाया है। उनका कहना है कि यदि मौके पर हुए निर्माण और माप पुस्तिका में दर्ज माप में अंतर है तो यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि माप किस अधिकारी ने दर्ज की, कब दर्ज की और उसका सत्यापन किस अधिकारी ने किया। सरपंच ने उपयंत्री, सहायक यंत्री सहित संबंधित तकनीकी अधिकारियों की भूमिका को स्वतंत्र जांच की

मांग की है। उनका कहना है कि यदि तकनीकी माप, सत्यापन या निरीक्षण में गलती हुई है तो उसकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। केवल पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि पर वित्तीय दायित्व डालना न्यायसंगत नहीं होगा।

बिना मौका जांच के कैसे तय हुआ वित्तीय दायित्व?

सरपंच ने संभागायुक्त से पूछा है कि निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति जाने बिना और पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पुनः माप किए बिना निष्कर्ष पर कैसे पहुंचा गया। उन्होंने मांग की है कि दोनों स्टॉपडैम की स्वतंत्र तकनीकी समिति से दोबारा माप कराई जाए तथा जांच की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई जाए। साथ ही तकनीकी स्वीकृति, मूल प्राक्कलन, कार्यादेश, माप पुस्तिका, सीसी, देयक, भुगतान अभिलेख, निरीक्षण पुस्तिका, साइट निरीक्षण रिपोर्ट तथा निर्माण के समय के फोटो-वीडियो और जियो-टैग रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की गई है।

राशि देने से इनकार किया तो शुरू हुई रिकवरी

मामले को और गंभीर बनाते हुए सरपंच ने संबंधित अधिकारी पर धनराशि मांगने का आरोप लगाया है। आवेदन में दावा किया गया है कि मामले को समाप्त करने अथवा बचाव के लिए उनसे राशि मांगी गई थी। सरपंच के

अनुसार उन्होंने राशि देने से इनकार किया, जिसके बाद उनके विरुद्ध रिकवरी एवं वित्तीय दायित्व की कार्रवाई शुरू कर दी गई। हालांकि, धनराशि मांगने के इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सरपंच ने भी संबंधित अधिकारी को बिना जांच दोषी ठहराने के बजाय इस आरोप की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कथित राशि मांगने से लेकर रिकवरी कार्रवाई तक की पूरी समय-रेखा और अभिलेखों की जांच कराने का आग्रह किया है।

जांच तक रिकवरी रोकने की मांग

सरपंच ने संभागायुक्त से स्वतंत्र जांच पूरी होने तक रिकवरी और अन्य दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने तथा उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि वास्तव में शासकीय राशि का दुरुपयोग या तकनीकी अनियमितता हुई है तो जिस स्तर पर गलती हुई है, उसी स्तर पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। अब पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि मौके पर वास्तविक निर्माण कितना हुआ, माप पुस्तिका में कितना दर्ज किया गया और भुगतान किस आधार पर हुआ? यदि स्वतंत्र तकनीकी जांच में माप पुस्तिका और मौके की स्थिति में अंतर की पुष्टि होती है तो जिम्मेदारी केवल पंचायत तक सीमित रहेगी या माप एवं सत्यापन करने वाले तकनीकी अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आएगी?कृयह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।



तुलसी महाविद्यालय में मनाई गई जन्माष्टनी

अनूपपुर। प्रधानमंत्री कोलेज ऑफ एक्सलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टनी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्सास के साथ मनाया गया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सक्सेना के निदेशन में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम में इस्कॉन अनूपपुर के पूज्यपाद स्वामी पवित्र कृष्ण चंद्र प्रभु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि गीता प्रतिष्ठानर के जिला प्रमुख दीपक त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जेके संत ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण एवं मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। दीपक त्रिपाठी ने स्वस्ति वाचन कर विश्व कल्याण की कामना की। इसके बाद इस्कॉन अनूपपुर से आए स्वामी पवित्र कृष्ण चंद्र प्रभु, सचिद्वानंद, प्रशांत पाण्डेय, गौरांग एवं अक्षत द्वारा प्रस्तुत श्रीहरिनाम संकीर्तन से पूरा समागार कृष्णमय हो गया। मुख्य अतिथि स्वामी पवित्र कृष्ण चंद्र प्रभु ने भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन करते हुए श्रीमद्भगवत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण समस्त सृष्टि के नियामक एवं संचालक हैं और उनकी भक्ति मोक्ष प्राप्त का सुगम मार्ग है। प्रशांत पाण्डेय एवं दीपक त्रिपाठी ने भी श्रीकृष्ण संकीर्तन की महिमा के साथ भगवान श्रीकृष्ण की 64 कलाओं एवं 14 विद्याओं की विस्तार से व्याख्या की। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की कवयित्री आकांक्षा शुक्ला ने मधुर गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। अध्यक्षीय उद्घोषण में डॉ. जेके संत ने श्रीमद्भगवद्गीता की प्रासंगिकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज श्रीवास्तर ने किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के भक्ति मार्ग का अनुसरण कर मनुष्य जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्ति पाकर मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. ज्ञान प्रकाश पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. प्रीतिसागर मलैया, डॉ. बजेन्द्र सिंह, डॉ. तरन्जुम शरवत, डॉ. श्रद्धा चौरसिया, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. राजेश्वरी

